जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:296 दिनांक:07-10-2024 सोमवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

6अक्टूबर 2024 को चेन्नई के मरीना बीच पर भारतीय वायु सेना के एयर शो का पहला दिन यह शानदार एयर शो 8 अक्टूबर को मनाई गई IAF की 92वीं वर्षगांठ के हिस्से के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और मालदीव की प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद का 6 अक्टूबर को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आगमन पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

चेन्नई में एयर शो के दौरान दम घुटने से पांच की मौत,100 लोग अस्पताल में भर्ती

चेन्नई(ईएमएस)।

चेन्नई के मरीना एयर फील्ड में हुए एयर शो के दौरान भारी भीड़ उमड़ी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयर शो के दौरान दम घुटने से पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से ज्यादा लोगों की गर्मी के चलते तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक व्यक्ति की मौत हीट स्ट्रोक के चलते हुई है।

अपनी 92वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भारतीय वायु सेना ने आज तमिलनाडु के चेन्नई मरीना एयरफील्ड में एक एयर एडवेंचर शो का आयोजन किया था। 21 सालों में पहली बार चेन्नई ने वायुसेना दिवस समारोह की मेजबानी की थी। उमस भरी गर्मी के बीच हजारों की संख्या में लोग एयर शो देखने पहुंचे थे। एयर शो में करीब 15 लाख लोगों ने शिरकत की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एयर शो खत्म होने के बाद भीषण गर्मी के चलते कई लोग बेहोश हो गए। इन लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों में वी कार्तिकेयन (34), डी. जॉन (56), श्रीनिवासन, दिनेश कुमार शामिल हैं। एक व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो पाई है। दोपहर को शो खत्म होने के बाद मरीना एयर फील्ड से भारी भीड़ निकली। इसके चलते सड़कें, मेट्रो और रेलवे स्टेशन खचाखच भरे नजर आए।

लोगों का कहना है कि यातायात अधिकारियों की लचर व्यवस्था के चलते लाखों लोगों को मरीना बीच से निकलने में दिक्कत हुई और जगह-जगह लोग जाम में फंस गए। कार्यक्रम स्थल पर पानी की कोई व्यवस्था न होने के चलते भी लोगों को भीषण गर्मी में दिक्कत हुई और सैकड़ों लोगों की तबीयत खराब हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मरीना एयर फील्ड पर एयर शो के दौरान ही एक महिला की हालत बिगड़ गई। महिला को भीड़ के बीच एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया।

सुबह 11 बजे से पहले ही उत्साही लोग मरीना बीच पर जमा हो गए थे। इनमें से कई ने छाते से खुद को चिलचिलाती धूप से बचाने की कोशिश की। एयर शो की शुरुआत भारतीय वायुसेना के विशेष गरुड़ बल के कमांडो द्वारा एक कृत्रिम बचाव अभियान और बंधक को मुक्त कराने में अपने साहसिक कौशल का प्रदर्शन करके हुई।

एयर शो के दौरान हुई अव्यवस्था को लेकर ऐंअ्श्ख के नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि भारतीय वायु सेना के 92वीं वर्षगांठ पर चेन्नई में एयर शो का आयोजन किया गया था। इसके लिए पहले ही अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई थी। तमिलनाडु सरकार ने बताया था कि एयर शो को देखने लाखों लोग आएंगे इसलिए परिवहन और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। मगर कार्यक्रम में प्रशासनिक व्यवस्था और यातायात को ठीक से प्रबंधित नहीं किया गया। पुलिस बल भी अपर्याप्त था।

उन्होंने लिखा कि लोग भारी ट्रैफिक में फंसे हुए हैं। पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं है। वहीं लू लगने के कारण कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने दावा किया कि एयर शो में पांच लोगों की मौत हो गई है। इससे मुझे दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। महत्वपूर्ण आयोजन में भी उचित समन्वय स्थापित करने में विफल रहने के लिए मैं अ्श्ख सरकार की कड़ी निंदा करता हूं। वायु सेना के भारत के विभिन्न शहरों में अब तक कार्यक्रम अच्छे चल रहे हैं, लेकिन तमिलनाडु में हुई घटना में जान-माल की हानि बहुत दुखद है। इस आयोजन के लिए उचित सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने के लिए एमके स्टालिन सरकार की मैं कड़ी निंदा करता हूं।

16 माह बाद भी आरबीआई के करेंसी चेस्ट में वापस नहीं पहुंचे

दो हजार के 358 लाख नोट अब भी धन्नासेठों की तिजोरियों में

नई दिल्ली(ईएमएस)। दो हजार रुपये के 358 लाख नोट (7,160 करोड़ रुपये) अभी धन्नासेठों की तिजोरियों में कैद हैं। चलन पर रोक लगने के 16 महीने बाद भी यह रिजर्व बैंक के करेंसी चेस्ट में वापस नहीं पहुंचे हैं। रिजर्व बैंक की 30 सितंबर की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। माना जा रहा है कि इसमें से बड़ा हिस्सा काला धन है, जिसे लोग अपने खातों में दर्शाने से बच रहे हैं। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इस भारी रकम को सफेद करने के रास्ते और मौके ढूंढे जा रहे होंगे।

दो हजार रुपये का नोट अभी लीगल टेंडर हैं लेकिन इसे चलन से बाहर घोषित किया जा चुका है। 9 अटूबर 2023 के बाद से रिजर्व बैंक के सिवाय कोई अन्य बैंक भी इसे बदल नहीं सकता है। रिजर्व बैंक की शाखाओं में गाहे-ब-गाहे लोग गुलाबी नोट बदलवाने पहुंच रहे हैं। पिछले तीन महीने का औसत देखें तो लगभग दो लाख नोट प्रति सप्ताह रिजर्व बैंक तक पहुंच रहे हैं। सितंबर के तीन सप्ताह की विस्तृत रिपोर्ट के मुताबिक पहले हते तक 361 लाख नोट बाजार में थे। जो 20 सितंबर तक 358 लाख बचे। यानि इन तीन सप्ताह में कुल तीन लाख नोट ही वापस लौटे।

आमतौर पर चलन से बाहर होने के बाद कोई भी व्यक्ति या संस्था नोट तत्काल बदलने का प्रयास करती है, लेकिन दो हजार के 358 लाख नोट 16 महीने में भी बाजार से न लौटने पर विशेषज्ञ सवाल उठाते हैं। बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भ्रष्टाचारियों की तिजोरियों में कालेधन की तस्दीक होती है। ऑल इंडिया बैंक एपलाइज एसोसिएशन के नेशनल ज्वाइंट सेक्रेटरी, रजनीश गुप्ता ने कहा कि आखिर इतने नोट अब तक वापस यों नहीं लौटे, यह बड़ा सवाल है। इसके कालाधन होने में कोई संदेह नहीं है। सरकार को शत-प्रतिशत नोट वापसी के लिए प्रयास करने चाहिए। आर्थिक मामलों के वरिष्ठजानकार, धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि दो हजार के 358 लाख नोट बाजार से वापस न आना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। अधिकतम संभावना है कि यह काला धन है।

रेप के आरोपी से नेशनल अवॉर्ड छिना

स्त्री-2 फेम कोरियोग्राफर पर असिस्टेंट का आरोप- 4 साल में कई बार यौन शोषण किया

मुंबई(ईएमएस)। नाबालिग असिस्टेंट से रेप के आरोपी शेख जानी बाशा से बेस्ट कोरियोग्राफर का नेशनल अवॉर्ड छीन लिया गया है। मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग ने रविवार को इसकी जानकारी दी।

जानी मास्टर के नाम से मशहूर कोरियोग्राफर शेख जानी बाशा को यह अवॉर्ड साल 2022 में रिलीज हुई धनुष की फिल्म 'तिरुचित्रम्बालम' के गाने 'मेघम करुकथा' का डांस कोरियोग्राफ करने के लिए दिया गया था। इस गाने को जानी ने सतीश कृष्णनन के साथ मिलकर कोरियोग्राफ किया था।

ईरान ने सभी हवाई अड्डों से उड़ानें कीं रद्द, इस्राइल के हमले की आशंका के चलते उठाया कदम

इस्राइल और हमास के टकराव के साथ शुरू हुआ पश्चिमी एशिया का टकराव लगातार जारी है। इस्राइल अब कई मोर्चों पर लड़ाई लड़ रहा है। पहले हूती विद्रोहियों की मार और अब हिजबुल्ला के लड़ाकों के साथ हिंसक संघर्ष। ईरान भी इस संघर्ष में शामिल हो चुका है। 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले के साथ शुरू हुई लड़ाई अब लेबनान, ईरान और पश्चिम एशिया के कई इलाकों तक फैल चुकी है।

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आईडीएफ उत्तरी कमान के प्रमुख मेजर जनरल उरी गॉर्डिन और डिवीजन कमांडर ब्रिगेडियर जनरल मोरन ओमर के साथ लेबनान सीमा का दौरा किया। द टाइम्स ऑफ इस्राइल के मुताबिक प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि नेतन्याहू ने यात्रा के दौरान कहा कि एक साल पहले हमें बहुत बड़ा झटका लगा था। पिछले 12 महीनों में हम वास्तविकता को अंत से बदल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस्राइल की सैन्य शक्ति से प्रभावित है। उन्होंने सैनिकों से कहा कि आपने हमारे दुश्मनों पर जो प्रहार किया है, उससे पूरी दुनिया आश्चर्य में है।

ईरान ने इस्राइली हमले की आशंका के चलते ईरान के सभी हवाई अड्डों से उड़ानों को रद्द कर दिया है। द टाइम्स ऑफ इस्राइल के मुताबिक ईरान के नागरिक उड्डयन संगठन के प्रवक्ता ने बताया कि ईरान के सभी हवाई अड्डों से उड़ानें रविवार रात नौ बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक स्थानीय समयानुसार रद्द कर दी गई हैं। अलजजीरा के मुताबिक तेहरान में तोहिद और रिसालत सुरंगें भी मध्यरात्रि से सुबह 5 बजे तक बंद रहेंगी। बताया जाता है कि ईरान ने यह फैसला इस्राइल के हमले की आशंका के चलते लिया है। इससे पहले ईरान के पेट्रोलियम मंत्री मोहसेन पकनेजाद ने देश के सबसे बड़े तेल संयंत्र का दौरा किया। साथ ही आईआरजीसी के शीर्ष सैन्य कमांडर से मुलाकात कर संयंत्र की सुरक्षा पर चर्चा की।

इस्राइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि अगर ईरान ने इस्राइल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो उसकी हालत गाजा या बेरूत जैसी हो सकती है। अलजजीरा के मुताबिक गैलेंट ने एक बयान में कहा कि ईरानियों ने वायु सेना की क्षमताओं को प्रभावित नहीं किया। इस्राइल का कोई भी विमान क्षतिग्रस्त नहीं हुआ। जो कोई भी सोचता है कि हमें नुकसान पहुंचाने का मात्र प्रयास हमें कार्रवाई करने से रोक देगा, उसे गाजा और बेरूत पर एक नजर डालनी चाहिए। गैलेंट ने कहा कि हम रक्षा और आक्रमण दोनों में मजबूत हैं और हम इसे सफल बनाएंगे।

इस्राइली हमले में मध्य सीरिया में तीन कारों में विस्फोट हुआ। द टाइम्स ऑफ इस्राइल के मुताबिक सीरिया के औद्योगिक शहर होम्स में तीन वाहनों को निशाना बनाया गया। इसमें चिकित्सा और राहत सामग्री ले जा रही गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान के 25 गांवों के लोगों को तुरंत गांव खाली करने का आदेश दिया है। अलजजीरा के मुताबिक सेना के अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचार्य अद्राई ने कहा कि लोग गांव खाली कर दें, अन्यथा वे अपनी जान जोखिम में डालेंगे।

संयुक्त राष्ट्र बदलते वैश्विक परिदृश्य के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रहा - विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र बदलते वैश्विक परिदृश्य के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रहा है लेकिन बाजार में जगह घेर रहा है। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में जयशंकर ने जोर देकर कहा कि संयुक्त राष्ट्र दुनिया के साथ तालमेल बैठाने में नाकाम रहा है जिससे देशों को वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैकल्पिक तरीके खोजने पर मजबूर होना पड़ा है।

एस जयशंकर ने कहा, चूंकि यह एक आर्थिक सम्मेलन है, इसलिए मैं आपको एक व्यावसायिक उत्तर देता हूं। संयुक्त राष्ट्र, एक तरह से, एक पुरानी कंपनी की तरह है, जो पूरी तरह से बाजार के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रही है, लेकिन जगह घेर रही है। जब कंपनी दुनिया से पिछड़ जाती है तो स्टार्टअप और इनोवेशन शुरू होते हैं। अलग-अलग लोग, अपनी-अपनी चीजें करना शुरू कर देते हैं।

जयशंकर ने कहा, आखिरकार संयुक्त राष्ट्र तो है, लेकिन यह काम करने में बहुत कमजोर है, हालांकि यह अभी भी एकमात्र बहुपक्षीय खिलाड़ी है। लेकिन जब यह प्रमुख मुद्दों पर आगे नहीं आता है, तो देश अपने-अपने तरीके खोज लेते हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर बोलते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने इसके सीमित योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, संभवतः हमारे जीवन में जो सबसे बड़ी घटना घटी वह कोविड थी। जरा सोचें कि कोविड में संयुक्त राष्ट्र ने क्या किया, मुझे लगता है कि इसका उत्तर बहुत अधिक नहीं है।

विदेश मंत्री ने प्रमुख वैश्विक संघर्षों, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध और चल रहे मध्य-पूर्व संकट पर संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को लेकर भी चर्चा की।

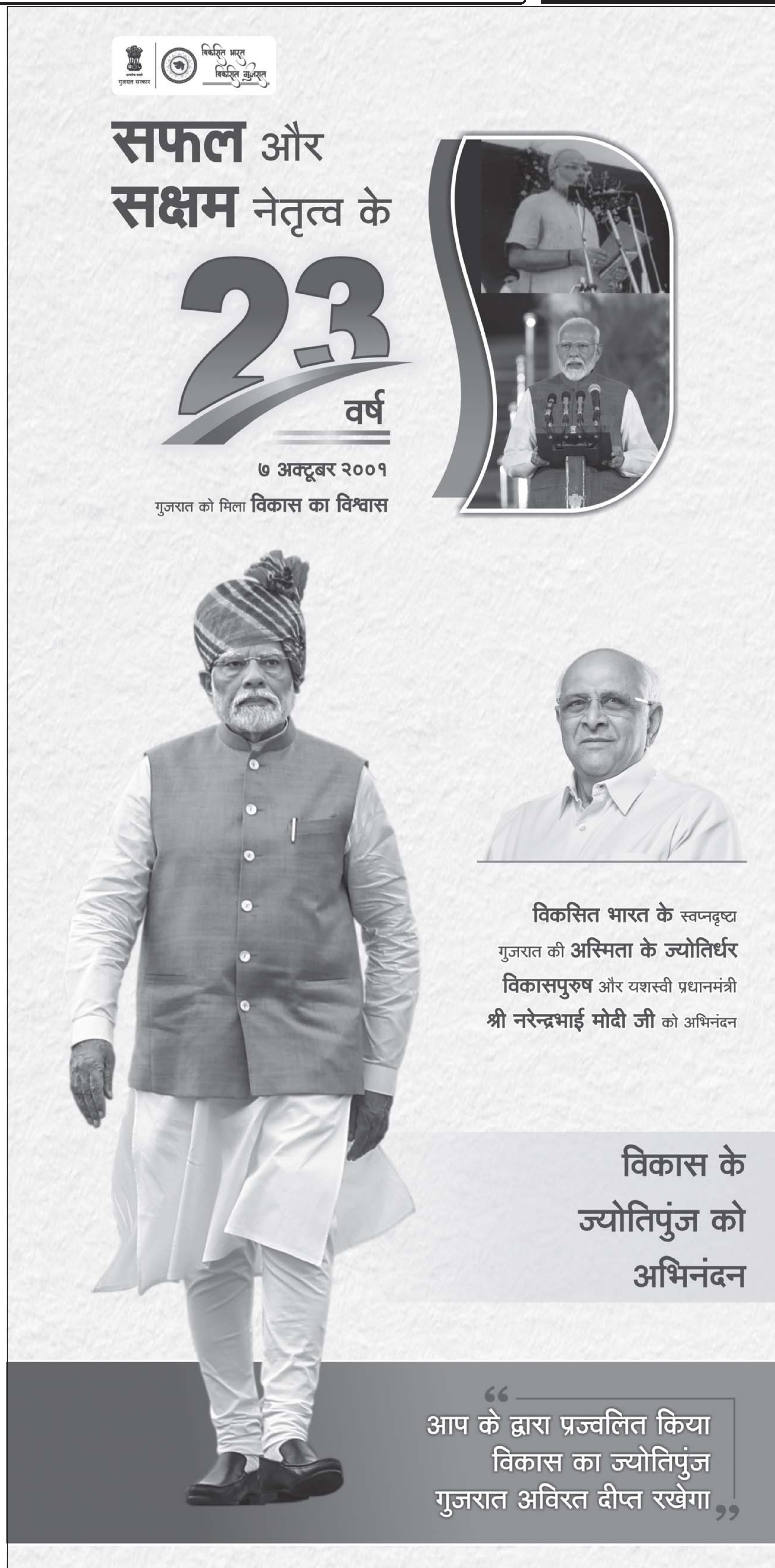

जन हितैषी

शाकाहार महंगा और मांसाहार सस्ता

देश में महंगाई किसी कीमत पर रुकने का नाम नहीं ले रही है। यह लगातार तेज रफ्तार में बढ़ती ही जा रही है। इस महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीबों और शाकाहारी मध्यम वर्ग पर देखने को मिल रहा है। हालात यह हैं कि निम्न वर्ग कुपोषण का शिकार होता चला जा रहा है वही मध्यम वर्ग को अब पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है। दूध, सब्जी, दाल, तेल और अन्य दैनिक उपयोग में आने वाली शाकाहारी खाद्य सामग्री दिनों-दिन महंगी होती जा रही है। एक तरफ महंगाई सातवें आसमान पर पहुंचने को तैयार है लेकिन जनता चुप है। इसे देख ऐसा प्रतीत होता है कि आमजन किसी जादूई छड़ी के इंतजार में है, जिसके मिलते ही महंगाई गायब हो जाएगी। सरकारें भी इस पर कुछ कहने को तैयार नहीं हैं। हद है कि बिजली के दाम बढ़ गए। दूध के दाम बढ़ गए। स्कूलों की फीस बढ़ गई। खाद्य पदार्थों के निरंतर दाम बढ़ ही रहे हैं। यह तो सभी मानते हैं कि एक बार जो दाम बढ़ गए फिर वह कभी नीचे नहीं आते हैं। साल 2014 में जब कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में 104 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया था तब देश में पेट्रोल 70 रूपये प्रति लीटर मिल रहा था। 450 रुपए की रसोई गैस सिलेंडर मिल रहे थे। तब सभी लोगों को महंगाई बढ़ी हुई लग रही थी। देशभर में महंगाई के खिलाफ आंदोलन हो रहे थे। आज जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम 70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, तब भी 100 से 110 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल बिक रहा है। आमजन के मन में तो सवाल यही है कि आखिर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जब तेल के दाम घट गए तो फिर देश में क्यों नहीं घट रहे हैं? वर्तमान में भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम साल 2014 जैसे ही हो जाते तो गनीमत थी, लेकिन इस पर कोई कुछ कहता नजर नहीं आ रहा है। इसके विपरीत गरीब, मजदूर, मध्यम वर्ग से लेकर अमीर सभी को पेट्रोल-डीजल एक ही बढ़े हुए रेट में ही खरीदना पड़ रहा है। यही नहीं जो दूध 35 रूपये प्रति लीटर मिल रहा था, वह 65 और 70 रूपये के आस-पास पहुंच गया है। खाने का तेल 200 रूपये लीटर के आसपास हो गया है कोई भी सब्जी 50-60 रुपए प्रति किलो से कम नहीं मिलती है। दालों के रेट बेतहाशा बढ गए हैं, जिसके कारण अब दो टाइम का खाना भी निम्न और मध्यम वर्ग को जुटा पाना मुश्किल हो रहा है।

हाल ही में जो सर्वे सामने आया है उसमें बताया गया है कि भारत में शाकाहार की थाली मांसाहार से महंगी हो गई है। सारी दुनिया में सबसे ज्यादा कीमत पर मांसाहार ही बिकता है, लेकिन भारत में यह उलटी गंगा बहाने जैसी स्थिति हो गई है। वह भी तब जबकि कथित तौर पर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए बड़े-बड़े समाजिक व धार्मिक संगठन काम कर रहे हैं। सरकार भी उन्हें कथित सहयोग कर रही है। इसके बाद भी खाद्य पदार्थ विशेष रूप से शाकाहारी खाद्य पदार्थ दिनों दिन बड़ी तेजी के साथ महंगे होते चले जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2024 में भारत में शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर 11फीसदी बढ़कर 31.3 रुपए हो गई है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह कीमत 28.1 रुपए थी। वहीं, मांसाहारी थाली की कीमत में सालाना आधार पर 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर 2024 में मांसाहारी थाली की कीमत घटकर 59.3 रुपए हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 60.7 रुपए थी। सरकार के सामने जब तक आम जनता अपनी लड़ाई स्वयं नहीं लड़ेगी तब तक उसे महंगाई और अराजकता से निजात नहीं मिलने वाली है। केंद्र एवं राज्यों में जो सत्ता पर बैठे हुए राजनेता हैं उनका मानना है कि बच्चा जब रोता है तभी मां दूध पिलाती है। आम जनता को यदि कोई तकलीफ होगी तो वह सड़कों पर उतरकर सामने आएगी। वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष महंगाई और बेरोजगारी कोई मुद्दा नहीं है। सरकार आए दिन टैक्स और अन्य शुल्क बढ़ा रही है। जनता उसको चुप-चाप चुका रही है। इसका मतलब है कि जनता स्वयं चाहती है कि उसका स्टेटस सिंबल बढ़े, यदि वह महंगे खाद्य पदार्थ खाता है तो उसका स्टेटस भी बढ़ता है। सरकार ने आम जनता के स्टेटस को बढ़ाने के लिए यह सारे प्रयास किए हैं। यह अलग बात है कि मांसाहारी थाली सस्ती हो गई है और शाकाहारी थाली महंगी हो गई है। शाकाहारी थाली महंगी होने के कारण ही शाकाहारियों का स्टेटस लगातार बढ़ता चला जा रहा है।

दवा के नाम पर मरीजों की जिन्दगी से खिलवाड़

दवा के नाम पर इंसानी जिन्दगी के साथ लगातार खिलबाड़ किया जा रहा है। हालिया उदाहरण है कि बुखार, दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से मुक्ति दिलाने का दावा करने वाली 53 दवाइयां जांच में गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। परीक्षण में असफल होने वाली दवाओं में रक्तचाप यानी ब्लड प्रेशर,शर्करा यानी डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा केंद्रीय औषधि नियामक ने जिन दवाओं को गुणवत्ता के मानकों के अनुकुल नहीं बताया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल/,दर्द निवारक डिक्लोफेनेक,एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी दवा कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं।

इन 53 दवाओं में से परीक्षण में नाकाम की सूची में अभी केवल 48 दवाओं का ही नाम सामने आया है। क्योंकि इसमें से पांच दवाइयां जो मानक फेल हुई हैं उनकी निर्माता कंपनी का कहना है कि ये दवाएं उनकी नहीं है। बल्कि उनके नाम से नकली दवा को बाजार में बेचा जा रहा है। जो दवाएं फेल की गई हैं उनमें सनफार्मा द्वारा निर्मित पैन्टोसिड टैबलेट भी है,जिसका इस्तेमाल प्रायः एसिडिटी रोकथाम के लिए किया जाता है।इटेस्ट में फेल हो गई ये सभी दवाओं को सेवन को सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है।

अजीवोगरीब विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं।केंद्रीय औषधि नियामक के इस परीक्षण ने लोगों के स्वास्थ्य की चिंता को और बढ़ा दिया है, क्योंकि एक तरफ दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं और दूसरी तरफ नकली दवाओं के बाजार में आने की भी खबर है। जांच तो केवल पांच दवाओं का नाम सामने आया है, हो सकता है नकली दवाओं के इस खतरनाक कारोबार में और दवाओं को भी बेचा जा रहा हो। स्वास्थ्य मंत्रालय नकली और परीक्षण में फेल होने वाली दवाओं की बिक्री और इन दवाओं को बनाने वालों पर कितनी सख्त कार्रवाई करेगा, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता,यह तो आनेवााल वक्त ही बताएगा। फिलहाल स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा दोहरी जवाबदेही निभा रहे हैं। वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व भी निभा रहे हैं, उन पर भाजपा के सदस्यता अभियान को सफल बनाने का जिम्मा है। हालांकि तीन दिन पहले आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के छह बरस पूरे होने पर नड्डा ने नरेन्द्र मोदी की इस पहल की तारीफ करते हुए कहा था कि यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा पहलों में से एक बन गई है। यह सभी नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर लोगों के लिए समान स्वास्थ्य सेवा पहुंच प्रदान करने के लिए इस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केंद्रीय औषधि नियामक के दवाओं के परीक्षण और उसके नतीजे से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वर्ना सेहत सुधारने के नाम पर नकली और असफल दवाओं का सेवन लोगों को और बीमार बना ही रहा था। चिंता की बात यह है कि असफल दवाओं में कई ऐसी दवाएं हैं, जिनका इस्तेमाल सबसे अधिक होता है।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत के साथ खिलबाड़ करते हैं। जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते हों। महत्वपूर्ण पहलू यह है कि देश में करीब 220 मिलियन लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं, इसी तरह 2021 में डायबिटीज मरीजों की संख्या 529 मिलियन थी। करोड़ों लोग एसीडिटी रोकने की और विटामिन्स की दवाएं लेते हैं। इन सबके स्वास्थ्य पर इन दवाओं का कितना विपरीत असर हुआ होगा, यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

इस पर गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। विडंबना तो यह है कि ताकतवर और धनाढय वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से गुरेज करती हैं। लेकिन कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है।दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों के स्तर में इतनी गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये दुखी मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं।

इससे उन तमाम मरीजों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। यद्यपि केंद्रीय औषधि नियामक ने 53 दवाओं क मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन,वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिलअवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। (लेखक- कुमार कृष्णन/ईएमएस)

योग द्वारा हृदय रोग से मुक्ति

मेडिकल सांइस की दुनिया में डॉ. बिमल छाजेड़,एम.बी.बी.एस.,एम. डी. एक जाने-पहचाने व्यक्ति हैं। ये भारत में नॉन इन्वेसिव कॉर्डियोलॉजी के जन्मदाता हैं। डॉक्टर छाजेड़ ने विख्यात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ंघ्श्ए)में छह वर्ष तक सीनियर रेसीडेण्ट और सहायक प्रोफेसर के पद पर काम कर चुके हैं। वर्ष 1995 में इन्होंनेंघ्श्एछोड़ दिया और अपनी रिसर्च के आधार परसाओलकी स्थापना की। साओल का मतलब है- विज्ञान तथा जीवन जीने की कला (साइंस एण्ड आर्ट ऑफ लीविंग) जो आधुनिक मेडिकल साइंस और जीवन जीने की कला को जोड़ता है। इनका हृदय रोग के रिवर्सल के लिए चलाया गया त्रिदिवसीय कार्यक्रम बहुत प्रसिद्ध हुआ। यह कार्यक्रम भारत के लगभग सभी मुख्य शहरों में शुरू किया गया है। हृदय की देखभाल के लिए इन्होंने जोसाओल हृदय कार्यक्रमचलाया है वह भारत में हृदय की देखभाल का सबसे लोकप्रिय तरीका है जिसमें चीर-फाड़ की कोई आवश्यकता नहीं पड़ती।

डॉ. छाजेड़ ने सौ से ज्यादा किताबें लिखी हैं,जिनकी गिनती सर्वाधिक बिकने वाली किताबों में होती है। इनकी किताबों का भारत की लगभग सभी क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। इन्होंनेजीरो ऑयल कुकिंगके माध्यम से भोजन बनाने का नया तरीका भी बताया,जो पूरे भारत में बहुत प्रसिद्ध हुआ । इन्होंने हृदय रोगियों के लिए बिना तेल के 1000 व्यंजन तैयार किए हैं तथा भारत में सौ से ज्यादा शहरों में तथा विदेशों में भी व्याख्यान दिए हैं। इनकी तनाव प्रबंधन की कक्षाओं और तकनीकों ने हजारों लोगों की जिंदगी बदल दी है। इस क्षेत्र में अपनी इन उपलब्धियों के लिए इन्हें कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है। लोग इन्हें नॉन-इनवेसिव डॉक्टर,हार्ट केयर और लाइफ स्टाइल एक्सपर्ट पुकारते हैं। यह खुद को उन डॉक्टरों (कॉर्डियोलॉजिस्ट्स और हार्ट सर्जन्स) से पूरी तरह अलग मानते हैं जो हृदय संबंधी अस्पतालों में हृदय रोगियों का उपचार करते हैं। इनकी संस्था साओल यानी (साइंस एंड आर्ट ऑफ लिविंग) हृदय रोगियों की जीवनशैली में बदलाव करके बाईपास, एंजियोप्लास्टी किए बिना उनका उपचार करती है। हृदय रोगियों को हृदय सुरक्षा संबंधी चिकित्सकीय पहलुओं के साथ-साथ पारंपरिक दवाइयों,खानपान में बदलावों और योग के बारे में भी बताया जाता है।

डायमंड बुक्स द्वारा ''योग द्वारा हृदय रोग से मुक्ति''पुस्तक प्रकाशित की गयी है जिसके लेखकडॉ. बिमल छाजेड़हैं।हृदय रोगियों को इस नई प्रकार की परिवर्तित चिकित्सा पद्धति (रिवर्सल थैरेपी)योग वस्तुतः जीवनशैली और जीवन को जीने का मार्ग बताया है,जिसमें आसन,प्राणायाम और ध्यान का समावेश होता है। यह एक विशाल विषय है और इस पर अनेक पुस्तकों की रचना की जा सकती है। चूंकि अलग-अलग लोग योग के ग्रंथों की अपने-अपने तरीके से व्याख्या करते हैं इसलिए इसके विभिन्न संस्करण होना स्वाभाविक है। यह5,000वर्ष पुरानी साधना और विषय है। जो प्रागैतिहासिक काल में यकीन करते हैं,उनका कहना है कि योग अनादिकाल (लगभग15,000वर्षों) से चला आ रहा है। योग के हर अंश के कई रूप हैं किंतु इसका एक अभिन्न अंग है जिसमें यम और नियम के दर्शन का समावेश है जो योग में क्या करें और क्या न करें,का बोध कराता है। यह जीवन को किस प्रकार जीना चाहिए संबंधी निर्देश देता है। योग का दर्शन अत्यंत वृहद है जिसमें राजयोग,भक्तियोग,कर्मयोग आदि शामिल हैं।

''योग द्वारा हृदय रोग से मुक्ति''में इसी बात को सुस्पष्ट तरीके से बताने जा रहा है।यौगिक आसनों को हृदय रोगियों के लिए प्रायः सबसे लाभकारी और श्रेष्ठ व्यायाम माना जाता है। पिछले20वर्षों से हृदय रोगियों के साथ कार्य करने के दौरान हमने कई आसनों का प्रयोग किया और अंततः20मिनट के योग आधारित व्यायाम और आसनों से ही हृदय के खतरों को शून्य कर दिया।

जहां तक प्राणायाम की बात है तो हृदय रोगियों को कपालभाति और भास्त्रिका जैसे कठिन प्राणायाम करने की मनाही है क्योंकि उनके लिए ये खतरनाक साबित हो सकते हैं। बाबा रामदेव जी की कृपा से आजकल ये दोनों प्राणायाम बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। यद्यपि आम लोगों के लिए ये सही हैं किंतु ऐसे हृदय रोगियों को ये नहीं करने चाहिए जिन्हें हार्ट अटैक का खतरा हो। ऐसे रोगियों के लिए अनुलोम-विलोम प्राणायाम (नाक के दोनों नथुनों से बारी-बारी से सांस लेना) करना बेहतर प्राणायाम है। हृदय रोगियों के लिए योग का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भाग जीवनशैली में बदलाव लाने संबंधी परामर्श और ध्यान (मेडिटेशन) लगाना है। ये हमारे जीवन को बदलते हैं,हमारी इच्छाशक्ति को बढ़ाते हैं,हमें शांति प्रदान करते हैं,तनाव को कम करते हैं,हमारे भावनात्मक चिड़चिड़ेपन को कम करते हैं और (साइको न्यूरो इम्युनोलॉजी - पीएनआई) के द्वारा कार्य करके रुकावट कम करने में सहायता करते हैं। कई प्रकार की ध्यान संबंधी विधियों का अध्ययन करने के उपरांत मैंने हृदय रोग को स्वस्थ हृदय में बदलने (रिवर्सल ऑफ हार्ट डिज़ीज़) अर्थात उसके निवारण हेतु प्रशिक्षण आधारित योग में प्रेक्षा- ध्यान पद्धति (प्रेक्षा मेडिटेशन सिस्टम) को सर्वश्रेष्ठ योग पाया।

लेकिन यह याद रखना चाहिए कि योग आम आदमी के लिए सेहत को सुधारने,खुशी और आंतरिक शांति प्राप्त करने का साधन है,लेकिन हृदय रोगियोंके लाभार्थ मैंने इस पद्धति में कई बदलाव और सुधार किए। साओल कार्यक्रम के अंतर्गत जीरो ऑयल कुकिंग,गिरीदार वसायुक्त खाद्य पदार्थों से परहेज,तनाव विश्लेषण और प्रबंधन आदि अन्य तत्व शामिल किए। साओल के अंतर्गत चिकित्सा ज्ञान,सरल चिकित्सा ाशिक्षाणा,माािडकाल टेस्ट,दवाइयों,ईसीपी,बीसीए,आयुर्वेद और होम्योपैथी का भी समावेश किया।

साओल का तात्पर्य है -साइंस एंड आर्ट ऑफ लिविंग। मेडिकल साइंस और आर्ट ऑफ लिविंग को एक साथ मिलाया। मेडिकल साइंस यानी चिकित्सा विज्ञान में से हमने बाईपास सर्जरी और एंजियोप्लास्टी के प्रचलित उपचारों को शामिल नहीं किया क्योंकि ये प्रकृति के विरुद्ध हैं। ये शरीर को अधिक नुकसान पहुंचाते हैं जिसमें स्वयं ही हृदय रोग को दूर और उसका उपचार करने की शक्ति है। विदित हो कि हृदय रोग कोई अकस्मात् होने वाला रोग नहीं है और हम हृदय रोग होने के सही कारणों को भी भलीभांति जानते हैं तो क्यों न हम इन्हीं कारणों को दूर करने का भरसक प्रयास करें और हृदय को शक्तिशाली बनाकर हृदय रोग के खतरे को दूर करें। साओल में हम यही कर रहे हैं।

इसलिए यह पुस्तक उन लोगों के लिए बहुत अच्छी मार्गदर्शक निर्देशिका साबित होगी जो योगिक तकनीक के साथ-साथ साओल पद्धति का पालन करना चाहते हैं। (लेखक- उमेश कुमार सिंह/ ईएमएस)

ब्रह्म की शक्ति अज्ञेय व अवर्णनीय है

ब्रह्म अज्ञेय व अवर्णनीय है। कर्त्ता के 2 भाग हैं- एक रूप में केवल द्रष्टा हैं, अन्य रूप में विश्व के सञ्चालक। इनको साक्षी और भोक्ता सुपर्ण रूप कहते हैं। व्यक्ति शरीर में इनको आत्मा और जीव कहते हैं। ब्रह्म की शक्तियां 7 ऋषि रूप में हैं, जिनके समन्वय को पक्षी रूप में व्यक्त करते हैं। इसके चित्र को सुपर्ण चिति कहते हैं। सृष्टि के 4 मूल बल चौकोर शरीर हैं, 2 पक्ष समरूपता है, नियन्त्रक या तेज सिर है, विषमता पुच्छ है। इनसे अग्नि (पदार्थ पिण्ड) का चयन होता है, जिससे विभिन्न निर्माण होते हैं। द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया, समानं वृक्षं परिषस्वजाते। तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्ति, अनश्नन्नन्यो अभिचाकषीति? (मुण्डक उप. 3/1/1, श्वेताश्वतर उप. 4/6, ऋक्, 1/164/20, अथर्व, 9/9/20) सुषुम्ना चेतना या ज्ञान का वृक्ष है। उसके मध्य (आज्ञा चक्र) में 2 सुपर्ण (हंस, पक्षी) रहते हैं (परिषस्वजाते-पड़ोस में)। उनमें अन्य (एक) पिप्पल (पिब् + फल = जिस फल में आसक्ति हो) को स्वाद सहित खाता है। अन्य (दूसरा) बिना खाये (बिना आसक्ति = अनश्नन्) केवल देखभाल करता है। त इद्धाः सप्त नाना पुरुषानसृजन्त। स एतान् सप्त पुरुषानेकं पुरुषमकुर्वन्-यदूर्ध्वं नाभेस्तौ द्वौ समौब्जन्, यदवाङ् नाभेस्तौ द्वौ। पक्षः पुरुषः, पक्षः पुरुषः। प्रतिष्ठैक आसीत्। अथ या एतेषां पुरुषाणां श्रीः, यो रस आसीत्-तमूर्ध्व समुदौहन्। तदस्य शिरो?भवत्। स एवं पुरुषः प्रजापतिरभवत्। स यः सः पुरुषः- प्रजापातिरभवत्, अयमेव सः, यो ?यमग्निश्चीयते(कायरूपेण- शरीररूपेण-मूर्त्तािपिण्डरूपेण- भूतपिण्डरूपेण)। स वै सप्तपुरुषो भवति। सप्तपुरुषो ह्ययं, पुरुषः-यच्चत्वार आत्मा, त्रयः पशुपुच्छानि। (शतपथ ब्राह्मण, 6/1/1/2-6) 3. पार्थिव सुपर्ण-पृथ्वी पर सूर्य की गति 2 प्रकार की है। वार्षिक गति उत्तरायण (मकर से कर्क रेखा तक) तथा उसके विपरीत दक्षिणायन है। यही सुपर्ण का विस्तार है। मकर रेखा पर सूर्य 3 तारा (तार्क्ष्य, ऋक्ष = तारा, भालू) वाले श्रवण नक्षत्र में रहता है (विक्रमादित्य काल में जब शून्य अयनांश था)। स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवा स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः। स्वस्ति नर्स्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु? (यजु, 25/19) यह आकाश के वृत्त (पृथ्वी कक्षा) की 4 दिशा हैं-ज्येष्ठा नक्षत्र का स्वामी इन्द्र, रेवती का पूषा, श्रवण का गोविन्द जो अरिष्ट की नेमि या सीमा (दूर करने वाले) हैं, तथा पुष्य का बृहस्पति। दक्षिण में सूर्य रहने पर हमारे उत्तरी गोलार्ध में सबसे बड़ी रात्रि तथा शीत होता है अतः यह अरिष्टनेमि है। उत्तरी सीमा के कर्क रेखा को केवल नेमि कहते हैं। उत्तर - दक्षिण दिशा में यह सूर्य की धुरी (नेमि) है। पृथ्वी अक्ष का झुकाव 22 से 26 अंश तक घटता बढ़ता है। कर्क रेखा की सीमा या नेमि का स्थान नैमिषारण्य है (कूर्म पुराण, 2/43/7, पद्म 1/1, वराह, 11/107, वायु, 125/27, शिव, 7/1/3/53)। इक्ष्वाकु काल में मिथिला की सीमा पर कर्क रेखा थी अतः वहां के राजा इक्ष्वाकु पुत्र को निमि कहते थे। उनकी निमि (पलक) नहीं गिरती थी। सूर्य चक्षु है, विषुव रेखा पर वह बन्द रहता है, कर्क, मकर रेखा पर पूरी तरह खुल जाता है। (भागवत पुराण, 9/13, विष्णु, 4/5 आदि)। आज भी मिथिला में सूर्य के कर्क रेखा पर स्थित होने पर पञ्चाङ्ग आरम्भ होता है। इस सूर्य गति के भी छन्द हैं। यहां गरुड़ संवत्सर रूप है। अथ ह वा? एष महासुपर्ण एव स्यात्संवत्सरः। तस्य यान्पुरस्ताद्विषुवतः षण्मासानुपश्यन्ति सो?न्यतरः पक्षो ?थ यान्षड् उपरिष्टात् सः अन्यतरः। आत्मा विषुवान्। (शतपथ ब्राह्मण, 12/2/3/7) यह वर्गीकरण ब्रह्मा के स्थान पुष्कर (अभी बुखारा) के अनुसार है, जो उज्जैन से 12 अंश पश्चिम है (विष्णु पुराण, 2/28)। वेदाङ्ग ज्योतिष के अनुसार सबसे बड़ा दिन 16 घण्टे का था। सबसे छोटा दिन 8 घण्टे का होगा, उसका आधा। अतः इनको गायत्री (24 अक्षर) से जगती (48 अक्षर) तक बांटा गया है। विषुव के उत्तर तथा दक्षिण में 12, 20, 24 अंश के अक्षांश वृत्तों से ये वीथियां बनती थीं। 340 उत्तर अक्षांश का दिनमान सूर्य की इन रेखाओं पर स्थिति के अनुसार 8 से 16 घण्टा तक होगा। अतः दक्षिण से इन वृत्तों को गायत्री (6 × 4 अक्षर) से जगती छन्द (12 × 4 अक्षर) तक का नाम दिया गया। इसकी चर्चा ऋग्वेद (1/164/1-3, 12, 13, 1/115/3, 7/53/2, 10/130/4), अथर्व वेद (8/5/19-20), वायु पुराण, अध्याय 2, ब्रह्माण्ड पुराण अध्याय (1/22), विष्णु पुराण (अ. 2/8-10) आदि में है। इनके आधार पर पं. मधुसूदन ओझा ने आवरणवाद में इसकी व्याख्या की है (श्लोक 123-132)। बाइबिल के इथिओपियन संस्करण में इनोक की पुस्तक के अध्याय 82 में भी यही वर्णन है। 4. दिव्य दिन-ऋतु चक्र के अनुसार सौर वर्ष को दिव्य दिन कहा गया है। इसमें मकर रेखा से कर्क रेखा तक सूर्य गति (जहां सूर्य किरण लम्ब हो) या उत्तरायण देवों का दिन और कर्क से मकर तक की गति देवों की रात्रि है। असुरों के लिए यह विपरीत है। ऐन्दवस्तिथिभिः तद्वत् सङ्क्रान्त्या सौर उच्यते। मासैर्द्वादशभिर्वर्ष दिव्यं तदह उच्यते?13? सुरासुराणामन्योन्यमहोरात्रं विपर्ययात्। षट्षष्टिसङ्गुणं दिव्यं वर्षमासुरमेव च?14? (सूर्य सिद्धान्त, अध्याय 1) अग्निर्ज्योतिरहः शुक्लः षण्मासा उत्तरायनम्?24? धूमो रात्रिस्तथा कृष्णः षण्मासा दक्षिणायनम्?25? (गीता, अध्याय, 8) सौर संक्रान्ति से चान्द्र मास का आरम्भ नहीं होता है। यदि विषुव संक्रान्ति से चैत्र मास का आरम्भ मानें तो- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ -उत्तरायण का द्वितीय अर्ध-विषुव से कर्क तक। आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद- कर्क से विषुव तक- दक्षिणायन का प्रथम अर्ध। आश्विन, कार्त्तिक, मार्गशीर्ष-दक्षिणायन का द्वितीय अर्ध। पौष, माघ, फाल्गुन - उत्तरायण का प्रथम अर्ध। दक्षिणायन के प्रथम अर्ध अन्त होने के समय (प्रायः भाद्र शुक्ल एकादशी को) सूर्य विषुव रेखा को पार करते हैं, या पृथ्वी के उत्तर गोल से दक्षिण गोल जाते हैं। इसे पार्श्व परिवर्तन कहा गया है। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

भारतीय शेयर बाजार से जमकर हुई मुनाफा वसूली...पिछले हफ्ते 5 दिनों में भारतीय निवेशकों को 16.5 करोड़ का नुकसान

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार एक बार फिर 1992 के हर्षद मेहता घोटाले की याद ताजा कर रहा है। भारतीय शेयर बाजार से जमकर मुनाफा वसूली हो रही है। पिछले 10 सालों से भारतीय शेयर बाजार बड़ी तेजी के साथ हवा में उड़ रहा था, लेकिन अब शेयर बाजार में मुनाफाखोरी और बिकवाली का दौर शुरू हो गया है। जिसके कारण शेयर बाजार में हडक्रंप मचा हुआ है। पिछले हफ्ते के 5 दिनों में सरकार और वित्तीय संस्थाओं ने शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं, लेकिन कोई भी प्रयास सफल साबित नहीं हो पा रहे हैं।

पिछले 2 साल से विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में बड़ा खेल कर रहे थे। यह भारत में शेयर खरीदते थे और चीन के बाजार में जाकर बेचकर भारी मुनाफा कमा रहे थे। चीन की सरकार ने अब अपनी आर्थिक नीति को बदल दिया है। चीन के शेयर बाजार में स्टीम्यूलस पैकेज का ऐलान किया है। इस परिवर्तन से चीन के शेयर मार्केट में काफी तेजी देखने को मिल रही है। चीन के शेयर बाजार में पिछले एक सप्ताह में लगभग 25 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। वहीं भारत में निफ्टी और बीएसई दोनों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। 88000 का अंक छूने के बाद भारतीय शेयर बाजार 81793 पर आकर शुक्रवार को बंद हुआ।

चीन का शेयर बाजार इन दोनों विदेशी निवेशकों का सबसे पसंदीदा बाजार है। चीन के शेयर बाजार से जो निवेश निकालकर एक समय पर जापान भारत दक्षिण कोरिया इंडोनेशिया मलेशिया इत्यादि देशों में निवेश हुआ था। वह इन बाजारों से निकलकर फिर से चीन के शेयर बाजार में निवेश हो रहा है। भारतीय शेयर बाजार में हिडेनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद जो अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। उसके कारण भी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से निकलकर अपना निवेश सुरक्षित करना चाहते हैं।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पिछले हफ्ते के आखिरी चार दिनों में 32000 करोड रुपए से अधिक के शेर बेच दिए हैं। घरेलू बाजार में गिरावट की आशंका बनी हुई है। सरकार सेबी और वित्तीय संस्थानों की निगाहें शेयर बाजार के कारोबार की पल-पल की जानकारी ले रही है। इसके बाद भी शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए अभी तक जो प्रयास किए गए हैं वह सब निष्फल साबित हुए हैं।

भारतीय शेयर बाजार से जिस तरह से विदेशी निवेशक रिकॉर्ड बिकवाली कर रहे हैं। उसके बाद से घरेलू निवेशक वित्तीय संस्थाएं भारतीय जीवन बीमा निगम म्युचुअल फंड और बैंकिंग सेक्टर से खरीदारी की जा रही है। उसके बाद भी बाजार को गिरने से रोकने में सफलता नहीं मिली है। पिछले सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को काफी प्रयास करने के बाद भी 900 अंक फिसल गया।इसके बाद म्युचुअल फंड को इस गिरावट को रोकने के लिए अधिक निवेश करने के लिए कहा गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 लाख करोड रुपए का निवेश म्युचुअल फंड करेंगे। शुक्रवार को जिस रफ्तार से निवेश किया जा रहा था, उसी रफ्तार से बिकवाली हो रही थी। मुनाफा वसूली के कारण जो भी पैसा शेयर बाजार में डाला गया वह सब मिनटों में स्वाहा हो गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध की आशंका से कच्चे तेल के दाम लगभग 6 डालर बढक़र 77 डॉलर पर पहुंच गए है। 1 अक्टूबर को इसराइल पर ईरान के हमले से पहले कच्चे तेल का दाम 70 डॉलर प्रति बेरल थाजो अब 77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अमेरिका रूस ईरान इजराइल के जो बयान सामने आ रहे हैं। उसके बाद युद्ध की आशंका और बढ़ गई है। आर्थिक मंदी को लेकर भी वैश्विक व्यापार में घबराहट देखी जा रही है। आयात और निर्यात दोनों व्यापार प्रभावित हो रहे हैं युद्ध की आशंका को देखते हुए सोने पर निवेश बढऩे से इसका असर शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। 2014 के बाद से शेयर बाजार में जो परिवर्तन देखने को मिला है। उसके बाद भारतीय शेयर बाजारों में जिस तरीके से विदेशी निवेश आ रहा था।

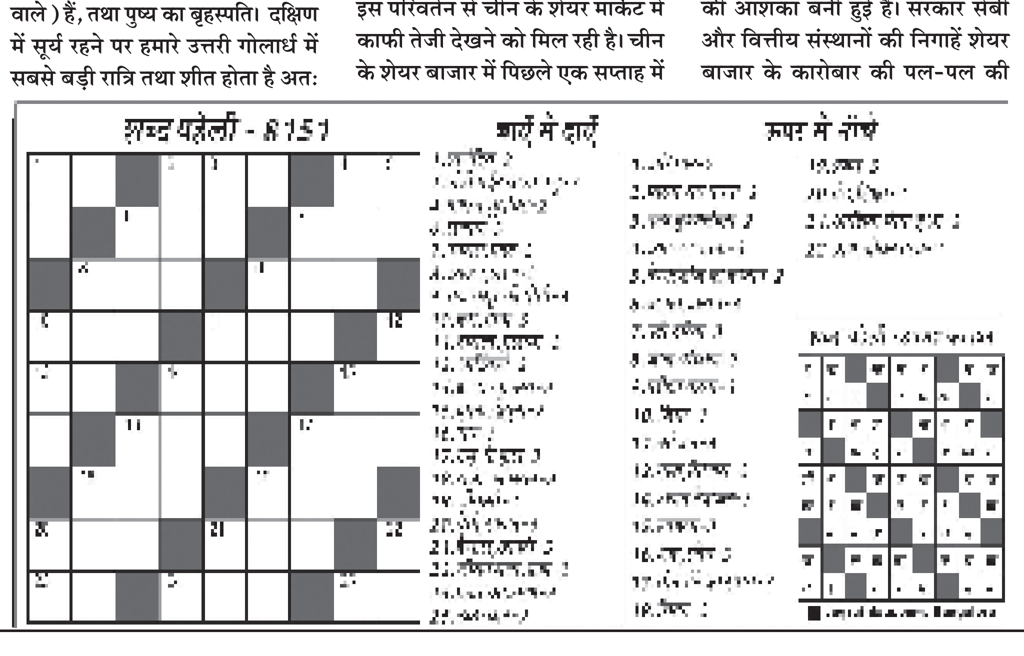

खेल - समाचार

विकेटकीपर ऋचा ने शानदार कैच पकड़ा

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर ऋचा घोष ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ हुए टी20 मुकाबले में एक शानदार कैच पकड़कर सभी का ध्यान खींचा। ऋचा ने पहली स्लिप पर पाक कप्तान फातिमा सना का ये कैच लिया। पाक कप्तान ने इस गेंद पर चौका लगाने का प्रयास किया पर ऋचा के सामने उनकी एक चली। ऋचा ने तेजी से जाकर गेंद लपक ली।

इससे पहले इस मुकाबले में पाक ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसल किया। भारतीय टीम के गेंदबाजों के आगे पाक टीम खुलकर नहीं खेल पायी। उसके बल्लेबाजों ने एक के बाद एक विकेट गंवाये। यही कारण है कि पाकिस्तानी टीम निर्धारित 20 ओवर में किसी प्रकार 8 विकेट पर 105 रन बना पायी। पाक की ओर से सबसे ज्यादा रन निदा दार ने 28 रन बनाए। इसके अलावा और कोई भी खिलाड़ी बल्लेबाजी में अपना टिक नहीं पायीं।

धोनी का आईपीएल खेलना संदिग्ध, इस माह के अंत में होगा फैसला

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 खेलने की संभावनाएं काफी कम हैं। माना जा रहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान धोनी इसी माह सीएसके अधिकारियों से मिलेंगे और अपना फैसला देंगे। इसका कारण है कि धोनी पांच साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर होने के कारण अब अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में आ गये हैं।

सीएसके की एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि आगामी सत्र में एमएस धोनी का भाग लेना अभी तक तय नहीं है।

आईपीएल 2008 की मेगा नीलामी में सीएसके ने धोनी के साथ 6 करोड़ रुपये में करार किया था। वह उस समय से ही वह सीएसके टीम में बने हुए हैं। वह सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। इसके अलावा. उन्होंने 5000 से अधिक रन भी बनाए हैं। उनकी कप्तानी में सीएसके ने पांच बार खिताब जीता है। धोनी ने आईपीएल 2024 की शुरुआत से पहले ही कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया गया था।

बीसीसीआई के एक नियम के अनुसार अनकैप्ड खिलाड़ी को 4 करोड़ से अधिक की राशि में रिटेन नहीं किया जा सकता। ऐसे में ये धोनी के लिए काफी नुकसानदेह होगा क्योंकि उनके संन्यास लिए 5 साल से अधिक हो गये हैं।

फीफा ने इजरायली फुटबॉल महासंघ को निलंबित करने से इंकार किया ,फलस्तीनी फ़ुटबॉल ने की थी मांग

ज्यूरिख (ईएमएस)। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने इजरायल फुटबॉल महासंघ की सदस्यता समाप्त करने की मांग ठुकरा दी है। इससे पहले फलस्तीन ने मई में हुई फीफा की बैठक में इजरायल की सदस्यता निलंबित करने की मांग की थी। वहीं इस मामले में अब फैसला आया है। फीफा ने यहां आयोजित अपनी शीर्ष परिषद की बैठक के बाद कहा कि इजरायली फुटबॉल महासंघ को निलंबित नहीं किया हालांकि उसने कहा कि फलस्तीन के अधिकारियों द्वारा लगाए गए कथित भेदभाव के आरोपों की जांच की जाएगी।

फीफा ने कहा कि उसका एक सीनियर पैनल फलस्तीन के क्षेत्र में स्थित इजरायली फुटबॉल टीमों की इजरायली प्रतियोगिताओं में भागीदारी की जांच करेगा। वहीं फलस्तीन फुटबॉल महासंघ अधिक समय से फीफा से वेस्ट बैंक की बस्तियों की टीमों को अपनी लीग में शामिल करने के लिए इज़रायली फ़ुटबॉल संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहा है।

आईएमएल लीग में खेलते नजर आयेंगे सचिन सहित दिग्गज क्रिकेट ,गावस्कर होंगे कमिश्नर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के लिए कमिश्नर बनाया गया है। फ्रैंचाइजी आधारित ये टी20 लीग इसी साल शुरु होगी। इसमें छह टीमें शामिल होंगी। ये टूर्नामेंट हर साल खेला जाएगा। इसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी खेलते हुए दिखेंगे।

इसमें लोगों को एक बार फिर सचिन तेंदुलकर की बल्लेबाजी देखने का अवसर फिर मिलेगा। इस लीग को लेकर गावस्कर बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इससे पूर्व खिलाड़ियों में फिर से ऊर्जा आयेगी। उन्हें एक बार फिर से अपने देश के लिए खेलने का अवसर मिलेगा। ये टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय स्तर का ही होगा।

गावस्कर ने सचिन के खेलने को लेकर कहा कि वह हमेशा ही ताजगी से भरे रहते हैं। वह सिर्फ भारतीय नहीं, बल्कि हर क्रिकेट प्रेमी के दिल में बसते हैं। इसलिए उनके फिर से मैदान में उतरने को लेकर बहुत उत्साह और बेसब्री है। वह हर खेल को पूरी लगन से खेलते हैं, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि आगे कुछ रोमांचक पल देखने को मिलेंगे।

गावस्कर ने कहा कि पहले सत्र के लिए केवल तीन स्थल रखे गये हैं पर जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ेंगे, और भी स्थानों पर आईएमएल का आयोजन हो सकेगा। गावस्कर ने कहा कि कमिश्नर के तौर मुझे ये देखना होगा कि लीग बिना किसी परेशानी के सुचारू रूप से चले। खिलाड़ियों को पता है कि उनसे क्या उम्मीद की जाती है और वे पर्याप्त अनुभवी हैं,।

टी20 विश्व कप : श्रीलंकाइ महिला टीम दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया से हारी

शारजाह (ईएमएस)। श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में भी हार का सामन करना पड़ा है। श्रीलंकाई टीम को गत विजेता ऑस्ट्रेलिया टीम ने हराया। है। इस मुकाबले में श्रीलंकाई टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 93 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया टीम ने बेथ मूनी के 43 रनों की बेहतरीन पारी से 6 विकेट से 14.2 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। हर्षिता ने 35 गेंदों पर 23 जबकि निष्काशी ने 40 गेंदों पर 29 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेघन ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि हां, हमने अच्छी शुरुआत की है और मैं इससे खुश हूं। हमने हालातों के साथ बेहतर तालमेल दिखाय। अब हमारा लक्ष्य अगले मैच में जीत दर्ज करना है। साथ ही कहा कि हम पूरे टूर्नामेंट में कुछ अलग चीजें आजमाएंगे। हमारी बल्लेबाजी लाइनअप अच्छा कर रही है पर गेंदबाज लय में नहीं दिखे।

वहीं श्रीलंकाई कप्तान चमारी अथापत्थु ने हार पर निराश होते हुए कहा कि हम पिछले 2 महीनों में अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे, यहां तक कि वॉर्मअप में भी हमारा प्रदर्शन अच्छा था पर हम कम टर्न और उछाल वाली इन पिचों पर हमारी खिलाड़ी लंबी पारी नहीं खेल पायीं। मुझे उम्मीद है कि हम अपने अगले गेम में सुधार करेंगे।

चीन ओपन : कोको गॉफ फाइनल में पहुंची

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ चीन ओपन के फाइनल में पहुंच गयी हैं। गॉफ ने इस मुकाबले के दौरान एक सेट से पीछे होने के बाद शानदार वापसी करते हुए पाउला बडोसा को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया। इससे पहले भी गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अपने मैच जीते हैं। वापसी कर मैच को अपने नाम किया। गाफ बडोसा के खिलाफ शुरुआती सेट में हारने के बाद दूसरे सेट में भी 1-3 से पीछे हो गयी थी पर इसके बाद उसने कोई गलती नहीं की। गॉफ का सामना अब उसकी टक्कर चीन की झेंग किनवेन या चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा ।

अमान की कप्तानी में भारतीय अंडर-19 टीम का शानदार प्रदर्शन

कठिन हालातों से यहां तक पहुंचे

मुम्बई (ईएमएस)। कप्तान मोहम्मद अमान की कप्तानी में भारतीय अंडर 19 ने ऑट्रेलिया को हराकर सीरीज जीती है। अमान की कप्तानी में टीम इंडिया ने सभी तीन मुकाबले जीते थे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कप्तानी करने से पहले एशिया कप में भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल हैं। अमान की कप्तानी में टीम इंडिया ने सभी तीन मुकाबले जीते थे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कप्तानी करने से पहले एशिया कप के लिए अंडर-19 टीम का हिस्सा भी रहे है। अमान का क्रिकेटर बनने का सफर बेहद कठिन रह।

अमान के माता पिता का निधान हो गया है। इसके बा भी वह क्रिकेटर बनने का जुनुन जारी रखे हैं। वह 14 साल के थे तो उनकी मां सायबा का निधन 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान हुआ था। . इसके ठीक दो साल बाद 2022 में उनके पिता मेहताब का भी निधन हो गया। अमान का क्रिकेट करियर घरेलू टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ शुरु हुआ। उन्होंने वीनू मांकड ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश अंडर-19 टीम के लिए अच्छ प्रदर्शन किया था। उन्होंने आठ पारियों में 363 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक भी शामिल थे। उनके लगातार प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बना दिया.

राज्य सरकार ने घोषणा की कि 2005 से पहले के कर्मचारियों को ओपीएस का लाभ मिलेगा

गांधीनगर,6 अक्टूबर

आज (6 अक्टूबर 2024) मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर स्थित सचिवालय में कैबिनेट बैठक हुई. जिसमें राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए बड़े फैसले लिए गए हैं. कैबिनेट बैठक के बाद प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. जिसमें जगदीश वर्मा व बच्चू खाबड़ उपस्थित थे. जिसमें उन्होंने कैबिनेट के अहम फैसलों का ऐलान किया है. राज्य सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर घोषणा की गई है कि वर्ष 2005 से पहले निश्चित वेतन पर भर्ती हुए राज्य सरकार के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार ने 60,254 कर्मचारियों को सीधा लाभ देने का फैसला किया है. इसके अलावा कर्मचारियों को अब 7वें वेतन आयोग का लाभ भी मिलेगा. राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने इस बात की जानकारी दी है.

प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आज (रविवार) मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने एक फैसला लिया है. जिसमें गुजरात सरकार ने राज्य सरकार के विभिन्न कर्मचारी संगठनों की प्रस्तुतियां सुनीं. यह फैसला सीधे तौर पर 60,254 कर्मचारियों को फायदा पहुंचाने के लिए लिया गया है. ऐसे कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ देने का निर्णय लिया गया है जिनकी नियुक्ति बाद में हुई और उन्हें स्थायी कर दिया गया, हालांकि 01-04-2005 को सेवा में शामिल होने वाले लोग पांच साल तक लाभ के हकदार नहीं हैं। इसका लाभ उन्हें मिलेगा जो नियमित रूप से नियुक्त हो चुके हैं या नियुक्ति की प्रक्रिया में हैं। इन कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलेगा. उन्हें 7वें वेतन आयोग के अनुसार उच्च यात्रा भत्ता दिया जाएगा। स्वीकृत मुद्दों से सरकार पर तत्काल प्रभाव से 200 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। अब जो मुद्दे बाकी हैं उन पर आगे अध्ययन करना बाकी है, उन पर कमेटी को बैठकर जल्द निर्णय लेने का निर्देश दिया गया है. ऋषिकेष पटेल ने कहा कि इसका बोझ अभी तय नहीं हुआ है लेकिन सरकार जल्द ही सर्कुलर जारी करेगी. फिक्स्ड पे के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि फिक्स्ड पे का मामला कोर्ट में है, फैसले के बाद सरकार कार्रवाई करेगी.

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में आयोजित राज्य मंत्रिपरिषद की कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार के हजारों कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्णनिर्णय लिये गये हैं। राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने कैबिनेट की बैठक के बाद इन फैसलों की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं के सकारात्मक समाधान के लिए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल द्वारा मंत्रिमंडल सदस्यों की एक समिति का गठन किया गया था. स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा मंत्री ऋषिकेष पटेल, सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा और पंचायत राज्य मंत्री बच्चू खाबड़ की एक समिति ने कार्मिक बोर्ड के पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें कीं, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। आज सौहार्दपूर्ण ढंग से समझौता हो गया और ये महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

उन्होंने कहा कि आगे बताया गया कि जो कर्मचारी 01/04/2005 के पूर्व नियत वेतन पर नियुक्त हुए थे, उन्हें नियुक्ति आदेश की शर्तों के अनुसार नियत वेतन सेवा, पेंशन लाभ एवं अन्य लाभ की पात्रता नहीं होगी। इस संबंध में उन कर्मचारियों ने लिखित प्रतिबद्धता भी दी. हालाँकि, राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के हित में सहानुभूतिपूर्वक राज्य के 60 हजार से अधिक ऐसे कर्मचारियों को ये लाभ प्रदान करने को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार में विभिन्न संवर्गों के अधिकारी-कर्मचारी जो नई पेंशन योजना लागू होने की तिथि 01/04/2005 के पूर्व निर्धारित वेतन पर नियुक्त किये गये थे तथा उनकी नियमित नियुक्ति दिनांक 01/04/2005 को की गयी थी। 01/04/2005 को या उसके बाद भर्ती प्रक्रिया 01/04/2005 से पहले पूरी हो चुकी है लेकिन प्रशासनिक कारणों से उनकी नियुक्ति दिनांक 01/04/2005 को हुई। विभिन्न कर्मचारी निकायों द्वारा 01/04/2005 के बाद लगभग 60,245 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना स्वीकार करने का एकमुश्त विकल्प प्रस्तावित किया गया है। जिसे सैद्धांतिक तौर पर स्वीकार कर लिया गया है.

इसके अलावा,ऋषिकेष पटेल ने कहा कि सातवें वेतन आयोग के अनुसार उच्च स्थानांतरण यात्रा भत्ता और सेवानिवृत्ति की आयु पर उच्च यात्रा भत्ता लागू करने के लिए कर्मचारी संघों द्वारा अभ्यावेदन दिया गया था। इसके अलावा, राज्य सरकार को सातवें वेतन आयोग के अनुसार दिए जाने वाले चार्ज भत्ते, जो वर्तमान में मूल वेतन का5या 10प्रतिशत है, यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते की संशोधित दरों और सेवानिवृत्ति की आयु की राशि में वृद्धि के संबंध में अभ्यावेदन प्राप्त हुए।

गुजरात के इस पुलिस थाने को मिला सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाने का खिताब

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। हर साल राज्य के सर्वश्रेष्ठ थाने का पुरस्कार दिया जाता है अबकी बार पोरबंदर के कमलाबाग पुलिस थाने को सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाने के रूप में चुना गया है मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पोरबंदर के कमलाबाग पुलिस स्टेशन को साल 2024 के लिए राज्य का सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन चुना है पोरबंदर कमलाबाग पुलिस स्टेशन के पीआई कानमिया को मुख्यमंत्री द्वारा विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कारण उन्होंने महज तीन महीने में मॉडल थाना बनाया है 1986 से बंद पड़े पुराने रिकार्ड बक्सों के रंगीन बक्सों को व्यवस्थित किया गया है, कॉन्फ्रेंस हॉल, पुलिस स्टेशन की दीवारों पर नये रंगों में महिला जागरूकता पेंटिंग करायी गयी है। थाने को पेपरलेस की ओर आगे बढ़ाया है। कमलाबाग पुलिस स्टेशन को वर्ष 2024 का सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन चुना गया है। इसलिए कमलाबाग पुलिस स्टेशन को मुख्यमंत्री द्वारा सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन का पुरस्कार दिया गया है। मूल शिक्षक और अब पीआई के रूप में राजेश कानमिया के प्रदर्शन की सांसद मनसुख मांडविया ने भी सराहना की है। पिछले तीन महीनों में पीआई कानमियाने कमलाबाग पुलिस स्टेशन का कायापलट कर दिया है पोरबंदर सांसद मनसुख मांडविया, विधायक अर्जुन मोढवाडिया और रेंज आईजी भी विशेष दौरे कर चुके हैं

मुख्यमंत्री की अहमदाबाद में आईपीएस मेस में आयोजित गरबा महोत्सव में प्रोत्साहक उपस्थिति

- भूपेन्द्र पटेल ने माँ जगदंबे की आरती की तथा सभी आईपीएस अधिकारियों को नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद में स्थित आईपीएस मेस में आईपीएस वाइव्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित गरबा महोत्सव में उपस्थित रहे। भूपेन्द्र पटेल ने आदि शक्ति माँ अंबे के दर्शन कर धन्यता की अनुभूति की। उन्होंने माँ जगदंबे की आरती की तथा आईपीएस मेस में उपस्थित सभी आईपीएस अधिकारियों और कर्मचारियों को नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुख्य सचिव राज कुमार व श्रीमती शर्मिन राज कुमार, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव एम. के. दास, पुलिस महानिदेशक विकास सहाय, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त जी. एस. मलिक तथा समशेर सिंह, के. एन. एल. राव तथा अन्य उच्च आईपीएस अधिकारी, उच्च पुलिस अधिकारी और आईपीएस वाइव्स एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। गरबा महोत्सव में अहमदाबाद के डाइनामाइस गरबा ग्रुप तथा सैयर गरबा ग्रुव एवं कलाकार भरत बारिया द्वारा प्राचीन-आधुनिक गरबा प्रस्तुत किए गए।

विकास यात्रा के 23 वर्ष पूरे होने पर 7 से 15 अक्टूबर तक विकास सप्ताह मनाया जाएगा

गांधीनगर,6 अक्टूबर

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के फैसले की घोषणा करते हुए प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेष पटेल ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में विकास की राजनीति का एक नया अध्याय रचा गया है.7अक्टूबर2024 को उनके मार्गदर्शन में राज्य की अजेय विकास यात्रा के 23 सफल वर्ष पूरे हो रहे हैं। साथ ही,7अक्टूबर 2001को नरेंद्र मोदी के राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद से संकल्प सिद्धि के23वर्षोंकीगाथाको जनता के सामने लाने के लिए हर साल7अक्टूबर से 15अक्टूबर तक विकास सप्ताह मनाया जाएगा।इस विकास सप्ताह के दौरान पूरे प्रदेश में जनभागीदारी से विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे

प्रवक्ता मंत्री ने कहा कि इस वर्ष विकास सप्ताह के दौरान राज्य भर में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे. इसके अलावा, नागरिक नरेंद्र मोदी की सुशासन पहल और सामाजिक जीवन पर उनके प्रभाव पर अपने अनुभव सोशल और डिजिटल मीडिया पर हैशटैग 'विकास सप्ताह' के साथ साझा कर सकेंगे। नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 23 वर्षों के सुशासन के दौरान विकास कार्यों के लिए प्रसिद्ध विभिन्न जिलों-शहरों के लगभग 23 प्रतिष्ठित स्थानों पर विकास पदयात्रा के माध्यम से लोगों को राज्य के विकास में नरेंद्र मोदी के महत्वपूर्ण योगदान से परिचित कराया जाएगा।

इस संदर्भ में, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस तरह की विकास पदयात्रा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, साबरमती रिवरफ्रंट, सूरत डायमंड बर्स, नडाबेट, पावागढ़, श्यामजी कृष्ण वर्मा मेमोरियल, स्मृतिवन, अंबाजी, द्वारका सुदर्शन ब्रिज और पाल धावव के आदिवासी शहीद सहित स्थानों पर आयोजित की जाएगी। शहीद स्मारक।

उन्होंने आगे कहा कि इस विकास सप्ताह के दौरान छात्रों और युवा शक्ति को जोड़ने की बहुआयामी योजनाओं के तहत स्कूलों और कॉलेजों में विकास थीम पर आधारित निबंध प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, विकास में लोगों की भागीदारी के लिए भारत विकास प्रतिज्ञा भी ली जाएगी।

राज्य के प्रसिद्ध सार्वजनिक स्थलों की दीवारों पर वॉल पेंटिंग विभिन्न क्षेत्रों में 23 वर्षों की विकास यात्रा का अवलोकन प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा राज्य के महत्वपूर्ण विकास स्थलों की साज-सज्जा और लाइटिंग भी की जायेगी। इसके अलावा इस वर्ष विकास सप्ताह के दौरान पूरे प्रदेश में 3500 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं लोकार्पण भी किया जायेगा।

उन्होंने विकास सप्ताह के बारे में आगे कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की थीम आधारित दिवस भी मनाये जायेंगे। इसमें युवा सशक्तिकरण दिवस, सुशासन दिवस, उद्यमिता दिवस और पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस मनाया जाएगा।नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने गुजरात और गुजरातियों को उस स्थिति से अवसरों में बदलने की क्षमता से सींचा है जो कभी अपर्याप्त बिजली, पानी की भारी कमी, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, लड़कियों की शिक्षा के निम्न स्तर थे।

बड़ा झटकाः यूक्रेन युद्ध के बीच रूस ने खुद का हाईटैक ड्रोन किया नष्ट

मॉस्को(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन की जंग चल रही है। दोनों ही देश एक दूसरे पर हमला कर रहे हैं। उन्हे अत्याधुनिक हथियार और गोला बारुद की जरुरत है। ऐसे में किसी का हाईटैक ड्रोन नष्ट हो जाए तो बड़ी संकटकारी स्थिति मानी जाती है। कुछ इसी तरह का झटका रूस को लगा है। वजह बहुत स्पष्ट नहीं है लेकिन बताया जा रहा है कि खुद रूस ने अपना अत्याधुनिक ड्रोन नष्ट कर दिया है।रिपोर्ट के मुताबिक एक एडवांस्ड स्टेल्थ एस-70 ओखोटनिक (हंटर) ड्रोन यूक्रेन में तबाह कर दिया गया। घटना शनिवार की बताई जा रही है। लेकिन सबसे ज्यादा शर्मनाक बात ये है कि इस ड्रोन को यूक्रेन ने नहीं बल्कि रूस के ही एसयू-57 जेट ने मार गिराया। मलबे के विश्लेषण से पता चला यह रूस की अगली पीढ़ी के स्टील्थ ड्रोन का था।

कई चैनलों की ओर से बताया गया कि गलती से रूस ने ही इसे तबाह कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि यूक्रेनी सेना के हमले में ड्रोन गिरा। लेकिन यूक्रेन की सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह रूस की गलती से ही गिरा है। बताया गया कि यह किसी जेट का नहीं बल्कि एक ड्रोन का मलबा है। क्रैश साइट से ली गई तस्वीरों में लाल सितारे वाला प्रतीक दिख रहा है। यह बताता है कि गिरने वाला एयरक्राफ्ट हंटर ड्रोन है। रूस की युद्ध क्षमताओं में यह महत्वपूर्ण है।इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें आसमान में दो सफेद रेखा दिख रहे हैं जो विमान और ड्रोन के इंजन से निकलने वाला धुआं है। ड्रोन आगे तो जेट पीछे दिख रहा है। तभी पीछे वाले धुएं से एक नई सफेद लाइन बनती हुई दिखती है, जो मिसाइल लॉन्च का संकेत देती है। यह सीधे जाकर ड्रोन को हिट करता है, जिससे आसमान में एक धमाका होता है। दावे के मुताबिक यह घटना फ्रंटलाइन के करीब एक परीक्षण उड़ान के दौरान हुई। तब ऑपरेटरों ने इस पर कंट्रोल खो दिया। इस डर से कि यह यूक्रेनी सेना के हाथ न लग जाए, रूसी कमांडरों ने कथित तौर पर इसे तबाह करने का आदेश दिया।

पश्चिमी देशों को नेतन्याहू की दो टूक, आपके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेंगे

येरूशलम। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की आलोचना की है। मैक्रॉन ने एक रेडियो साक्षात्कार में इजरायल को हथियारों की आपूर्ति रोकने का आह्वान किया था और कहा था कि सभी सभ्य देशों को दृढ़ रहना चाहिए। नेतन्याहू ने इसे शर्मनाक करार दिया। सवाल किया कि क्या उनकी तरह ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है? नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैक्रॉन और अन्य पश्चिमी नेता अब इजरायल के खिलाफ हथियार प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं, और जोर देकर कहा कि इजरायल उनके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेगा।उन्होंने कड़े शब्दों में कहा, लेकिन युद्ध जीतने के बाद भी उनकी शर्मिंदगी लंबे समय तक जारी रहेगी। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल आज सभ्यता के दुश्मनों के खिलाफ सात मोर्चों पर अपना बचाव कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, क्या ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके अन्य सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है? बिल्कुल नहीं। ये सब साथ खड़े हैं। लेकिन जो देश कथित तौर पर इस आतंकी संगठनों का विरोध करते हैं, वे इजरायल पर हथियार प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं। नेतन्याहू ने दावा किया कि इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह की मिसाइल और रॉकेट क्षमताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना सीमा के पास लेबनानी समूह की सुरंग प्रणाली को नष्ट कर रही है। हालांकि खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन हमने संघर्ष का संतुलन बदल दिया है। लगभग एक महीने पहले, जैसे ही हम गाजा में हमास बटालियनों को नष्ट करने के अंत के करीब पहुंचे, हमने उत्तरी इजरायल के निवासियों से किए गए वादे को पूरा करना शुरू कर दिया। 23 सितंबर से, इजरायली सेना ने पूरे लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अपने हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई नागरिक हताहत हुए हैं और कई क्षेत्रों से निवासियों को विस्थापित होना पड़ा है। हवाई हमलों में समूह के महासचिव हसन नसरल्लाह सहित प्रमुख हिजबुल्लाह नेताओं को भी निशाना बनाया गया और उनकी हत्या कर दी गई। इसके अलावा, इजरायल ने लेबनान में एक सीमित जमीनी अभियान शुरू किया है।

वंदे भारत गाड़ियों और अमृत स्टेशनों से बन रहा है देश में रेलवे का नया स्वरूप - रेल मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के जौरा अलापुर और कैलारस स्टेशन के मध्य आमान परिवर्तन के उपरांत नवनिर्मित रेलखंड का लोकार्पण एवं आमान परिवर्तित रेल खंड पर तीन नई गाड़ियों की विस्तारित सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस उद्घाटन समारोह का आयोजन मध्य प्रदेश के जौरा अलापुर रेलवे स्टेशन पर किया गया। इस समारोह में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर तथा मुरैना के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर मौजूद थे।

समारोह स्थल पर उपस्थित जन समुदाय को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे गरीबों की सवारी है और मिडिल क्लास की सवारी है। आम जन को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए 12,500 जनरल एवं स्लीपर कोच के निर्माण का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल और वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के माध्यम से भारतीय रेल को नया स्वरूप देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2004 से 14 वाली अवधि में मध्य प्रदेश में रेल के विकास के लिए औसतन 632 करोड रुपए का प्रावधान किया जाता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस साल के बजट में 14,700 करोड रुपए का प्रावधान मध्य प्रदेश में रेल के विकास के लिए किया गया है।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल को आम आदमी के लिए सुविधायक्त और आरामदायक बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में रेल प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। उत्तर मध्य रेलवे भी इस दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर चंबल क्षेत्र रेलवे की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। यह देश के चारों महानगरों सहित देश के सभी हिस्सों में ट्रेन सेवाओं के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। हम इस जुड़ाव को और पुख्ता कार्य करने के लिए प्रयासरत हैं। हमारे इन प्रयासों को केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया, विधान सभा अध्यक्ष मध्य प्रदेश नरेन्द्र सिंह तोमर, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर का सहयोग सदैव से ही मिलता रहता है। उन्होने कहा कि भारत के रेल मानचित्र में मध्य प्रदेश राज्य की केंद्रीय भूमिका है। राज्य ने अपने रेल बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति देखी है, जो इस क्षेत्र में बढ़ते निवेश की राष्ट्रीय प्रवृत्ति को दर्शाता है। मध्य प्रदेश राज्य में पिछले 10 वर्षों में 222 किलोमीटर की नई रेल लाइन परियोजनाएं, 1200 किलोमीटर की मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं और 707 किलोमीटर की गेज परिवर्तन परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं। मध्य प्रदेश में कनेक्टिविटी में सुधार करने के साथ ही आपदा प्रबंधन और परियोजना निगरानी के लिए ड्रोन और जीपीएस ट्रैकर्स का इस्तेमाल कर सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। यह काम भारत में पहली बार किया गया है। यात्री सेवाएं देने के साथ ही ग्वालियर और खजुराहो स्टेशन का पुनर्विकास भी किया जा रहा है।

कार्यक्रम में केन्द्रीय रेल मंत्री ने बताया कि ग्वालियर-श्योपुरकला (188 के) आमान परिवर्तन प्रोजेक्ट, रु.2355/- करोड़ की लागत से तैयार होने जा रहा है, जिसमें अब तक कुल 61 किलोमीटर ट्रैक का कार्य संपन्न हो चुका है, शेष कार्य तीव्र गति से जारी है, जिसको जल्द से जल्द पूर्ण कर क्षेत्र की जनता को यह उच्चीकृत सेवा उपलब्ध होगी इस नए 13 किलोमीटर के खंड का निर्माण रु 163 करोड़ से हुआ है। इस परियोजना के तहत पूरे श्योपुरकलां तहत आमान परिवर्तन का कार्य अगले वर्ष जुलाई 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।इसके साथ रेल मंत्री ने उम्मीद व्यक्त कि इस परियोजना के शुरुआत से मध्य प्रदेश के मुरैना जिले का सामाजिक-आर्थिक विकास, क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसरों के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने मे सहायता होगी साथ ही माल के परिवहन की लागत कम होगी और रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि और माल के परिवहन में आसानी से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस लाइन को जल्द ही कोटा तक विस्तारित किया जायेगा।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आज जौरा को एक ऐसा सौगात मिल रही है, जिसका सपना इस क्षेत्र के लोग लंबे समय से देख रहे थे। रेलवे में क्रांति लाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया है। भारतीय रेलवे पूर्वोत्तर में भी लगातार विकास कर रही है। पूर्वोत्तर के 6 राज्यों में रेलवे लाइन बिछाई जा चुकी है। आज इस आमान परिवर्तन से मध्य प्रदेश के विकास एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। अब हम इस रेल लाइन के कोटा तक विस्तारित होने का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने संबोधन में कहा कि इस आमान परिवर्तन के लिए क्षेत्र के लोगों ने लंबा संघर्ष किया है। आज इस रेल सेवा के विस्तार से जौरा अलापुर और कैलारस विकास की मुख्यधारा से जुड़ जायेंगे। सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने रेल मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस मेमू ट्रेन के शुरू होने से क्षेत्र की जनता बेहद खुश है। हम उम्मीद करते हैं कि यह विकास यात्रा निरंतर चलती रहेगी।

जयशंकर को इमरान खान ने दिया न्यौता, पाकिस्तान में मचा हड़कंप

इस्लामाबाद(ईएमएस)। भारत के विदेश मंत्री का नाम पाकिस्तान में गूंज रहा है। हर एक राजनैतक दल में जयशंकर के नाम की चर्चा है। इसी बीच वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हे न्यौता देकर आग में घी का काम कर दिया है। दरअसलएस जयशंकर इस महीने की 15-16तारीखकोपाकिस्तान में होने वाले शंघाई सहयोगसंगठन(एससीओ) के शासना ध्यक्ष परिषद की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्रीइमरानखानकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई)नेजयशंकर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का व्यंग्यात्मक निमंत्रण दिया है, जिससे वहां की सत्तारूढ़ सरकार नाराज हो गई है।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस मुद्दे पर कहा कि जयशंकर को निमंत्रण पीटीआई की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। इन सभी तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद, सैफ ने स्पष्ट किया कि उनके बयान को गलत संदर्भ में लिया गया है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता अताउल्लाह तरार और सिंध प्रांत के सूचना मंत्री सरजील मेमन ने इस निमंत्रण पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तरार ने कहा कि यह बेहद गैरजिम्मेदाराना है और पाकिस्तान की शत्रुता को दर्शाता है। वहीं, मेमन ने इसे पीटीआई की देश विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताया और आरोप लगाया कि पीटीआई एससीओ सम्मेलन को विफल करने की कोशिश कर रही है।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार, मुहम्मद अली सैफ, ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा कि पीटीआई जयशंकर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर सकती है।

हेलेन तूफान से मरने वालों की संख्या 227 पहुंची

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में आए हेलेन तूफान से खासी तबाही हुई है, वहीं इसके प्रभाव से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर शनिवार को 227 हो गई। इस तूफान का सबसे ज्यादा असर अमेरिका के दक्षिण-पूर्व में देखा गया, जबकि छह राज्यों में अनेक लोगों की मौत हो गई।

अमेरिका में आए हेलेन तूफान के कारण चहुंओर तबाही का मंजर देखने में आया है। इस तूफान के कारण मारे गए लोगों के शवों को तलाशने और निकालने का कार्य एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी जारी है। बताते चलें कि तूफान 'हेलेन' 26 सितंबर को तट पर आया था। इसके बाद तूफान फ्लोरिडा से उत्तर की ओर बढ़ गया था, जहां पर व्यापक पैमाने पर विनाश हुआ है।

फिर एक बार शर्मसार हुआ शिक्षा का धाम, स्कूल के आचार्य पर लगे बच्चियों से छेड़छाड़ के आरोप

सूरत (ईएमएस) दाहोद जिले की 6 साल की छात्रा से दुष्कर्म की कोशिश और उसकी हत्या की घटना लोग अभी भूले नहीं थे कि दक्षिण गुजरात से शिक्षा को शर्मसार करने वाली एक और घटना सामने आ गई है सूरत जिले की मांडवी तहसील के नरेण गांव स्थित दक्षिण गुजरात पिछड़ा वर्ग सेवा मंडल संचालित आश्रम शाला के आचार्य पर मासूम बच्चियों के साथ शारीरिक छेड़छाड़ का आरोप लगा है घटना सामने आने के बाद आदिजाति विभाग और पुलिस हरकत में आ गई और पीड़ित बच्चों के परिजनों की शिकायत के आधार पर आश्रम शाला के आचार्य के खिलाफ एट्रोसिटी और पोक्सो के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है घटना को लेकर आदिवासी समाज में रोष व्याप्त है जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की मांडवी तहसील के नरेण गांव स्थित आश्रम स्कूल में 24 साल से शिक्षक और 11 साल से प्रिंसिपल पद पर कार्यरत योगेश पटेल पर गंभीर आरोप लगे हैं एक नहीं बल्कि आश्रम स्कूल की कई छात्राएं आगे आई हैं और आचार्य की कारस्तानी को उजागर कर हड़कंप मचा दिया है इस घटना को लेकर आदिवासी समाज में गहरी प्रतिक्रिया देखी जा रही है आदिवासी विभाग के अधिकारियों ने आश्रम शाला का दौरा कर गृह माता और बच्चों से स्थिति की जानकारी ली इस पूरे मामले में पीड़ित बच्चियों के परिवार शिकायत लेकर मांडवी पुलिस स्टेशन पहुंचे शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी आचार्य योगेश पटेल को तुरंत हिरासत में लिया और देर रात तक पूछताछ की गई पूछताछ के अंत में मांडवी पुलिस ने एट्रोसिटी एक्ट और पोस्को के तहत मामला दर्ज किया और प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है

अमेरिका के बाद अमूल अब यूरोपीय बाजार में करेगा प्रवेश

जमशेदपुर (ईएमएस)। अमूल और गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा है कि अमूल द्वारा हाल ही में अमेरिका में पेश किया गया दूध बेहद सफल रहा है और अब वह यूरोपीय बाजार में प्रवेश करने ??के ?लिए तैयार है। हाल ही में यहां निजी व्यवसाय प्रबंधन संस्थान एक्सएलआरआई द्वारा आयोजित 'अमूल मॉडलः लाखों के जीवन में बदलाव' विषय पर 11वें डॉ. वर्गीज कुरियन स्मृति व्याख्यान में उन्होंने कहा ?कि भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है और आगामी वर्षों में दुनिया के कुल दूध उत्पादन का एक-तिहाई भारत में होगा। डेयरी सिर्फ एक कारोबार नहीं है, यह ग्रामीण भारत के लिए जीवन रेखा है। अमेरिका में अमूल द्वारा हाल ही में पेश किए गए दूध के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह बेहद सफल रहा है, और अब वे पहली बार यूरोपीय बाजार में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रासंगिक बने रहने के लिए अमूल प्रोटीन युक्त, ऑर्गेनिक और रसायन मुक्त उत्पादों की पेशकश करने पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने अमूल के संस्थापक डॉ. कुरियन द्वारा विकसित परिवेश की सराहना की।

कोलकाता में कॉलेज प्रशासन ने 10 डॉक्टरों को किया निष्कासित

-संदीप घोष के हैं करीबी, जूनियरों को फेल करने और धमकी देने का है आरोप

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के ट्रेनी डॉक्टर से रेप व हत्या मामले में फंसे विवादित प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ चल रही सीबीआई जांच के चलते कॉलेज प्रशासन ने एक अधिसूचना जारी कर दस डॉक्टरों को निष्कासित करने का फैसला लिया है। निष्कासित डॉक्टरों में इंटर्न, हाउस स्टाफ और सीनियर रेजिडेंट शामिल हैं, जो सभी संदीप घोष के करीबी माने जाते हैं।

सीबीआई संदीप के खिलाफ दो मामलों की जांच कर रही है। एक जूनियर डॉक्टर के रेप और हत्या मामले और दूसरा गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का मामले की। इन दस निष्कासित डॉक्टरों में से एक हाउस स्टाफ आशीष पांडे है, जिसे वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में सीबीआई ने हिरासत में लिया है। निष्कासित डॉक्टरों की सूची में आयुषी थापा एकमात्र महिला डॉक्टर हैं, जबकि सौरव पाल, अभिषेक सेन, निरजन बागची, सारिफ हसन, नीलाग्नि देबनाथ, अमरेंद्र सिंह, सतपाल सिंह और तनवीर अहमद काजी शामिल हैं।

अधिसूचना में आरोप लगाया गया है कि इन डॉक्टरों ने जूनियर छात्रों को परीक्षा में फेल करने, छात्रावास से निकालने की धमकी दी थी। यौन उत्पीड़न और शारीरिक हिंसा की घटनाओं में संलिप्तता दिखाई और कुछ छात्रों को विशेष राजनीतिक दल में शामिल होने के लिए मजबूर किया। अधिसूचना के मुताबिक निष्कासित डॉक्टरों को 72 घंटे के अंदर मेडिकल कॉलेज के छात्रावास खाली करने को कहा गया है। उनके पंजीकरण के कागजात की जांच भी की जाएगी। उचित कार्रवाई के लिए पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल को भेजा जाएगा।

बता दें ट्रेनी महिला डॉक्टर से रेप और हत्या मामले में आंदोलन जारी है। छात्र संगठन, पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने शनिवार को अनोखे विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। इस प्रदर्शन के तहत वे मरीजों को चिकित्सा सेवाएं देंगे साथ ही आमरण अनशन भी करेंगे। कई मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों के छह जूनियर छात्रों ने इस प्रक्रिया में स्वेच्छा से भाग लेने की पेशकश की है और भूख हड़ताल पर हैं।

जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की पेशी

पटना (ईएमएस)। जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके दोनों बेटे तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव सोमवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू केस में कोर्ट में पेश होंगे। ईडी ने इस मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी, जिसके आधार पर कोर्ट ने तीनों को समन भेजा था। यादव और उनके परिवार के सदस्यों पर भारतीय रेलवे में नौकरियों के बदले जमीन के रूप में अवैध लाभ अर्जित करने का आरोप है।

लालू यादव पटना से एयर इंडिया के विमान से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। वहीं तेजस्वी यादव भी पेशी के लिए अपने विदेश दौरे से दिल्ली लौट आए हैं।

इस मामले में तेजप्रताप यादव पहली बार कोर्ट में पेश होंगे। अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान कहा था कि अदालत को प्रथम दृष्टया और समन के चरण में आवश्यक जांच के मानक के मद्देनजर यह निष्कर्ष निकालने के लिए बाध्यकारी आधार मिलता है कि तेज प्रताप यादव भी अधिग्रहण और अपराध की आय को छिपाने में शामिल थे और इस प्रकार वर्तमान पूरक शिकायत पर तलब किए जाने के लिए उत्तरदायी हैं।

ईडी ने लालू प्रसाद यादव पर अपराध से अर्जित आय के अधिग्रहण को छिपाने के लिए अपने परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के साथ आपराधिक साजिश रचने का आरोप लगाया है।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि जब प्रसाद रेल मंत्री थे, तब मुख्य रूप से पटना के महुआ बाग में जमीन मालिकों को रेलवे में नौकरियां देने के वादे के साथ कम कीमत पर अपनी जमीन बेचने के लिए राजी किया गया था।

ईडी ने आरोप लगाया था कि इनमें से कई भूखंड पहले से ही यादव परिवार के पास मौजूद जमीन के पास स्थित थे। इस मामले में सात में से छह भूखंड राबड़ी देवी से जुड़े थे और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त किए गए थे। ईडी ने कहा था कि यह मामला 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में प्रसाद के कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थित रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप-डी की नियुक्तियों से संबंधित है। ईडी के मुताबिक राजद प्रमुख के परिवार या सहयोगियों को हस्तांतरित की गई या तोहफे में दी गई जमीन के बदले ये नियुक्तियां की गईं।

आरबीआई के ब्याज दर और एफआईआई के रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, पश्चिम एशिया के संघर्ष और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के तिमाही नतीजे, घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़े, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देंगे। पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और विदेशी कोषों की निकासी से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी।

बाजार के ?विश्लेषक कहते हैं ?कि घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर रहेगी। एमपीसी की बैठक सात अक्टूबर को शुरू होगी। तीन दिन की बैठक के नतीजों की घोषणा बुधवार यानी नौ अक्टूबर को की जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र टीसीएस के साथ शुरू हो रहा है। घरेलू मोर्चे पर तरलता की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

ऐसे में अधिक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों से नकदी का प्रवाह आकर्षक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों की ओर हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जिंस कीमतें, अमेरिकी डॉलर सूचकांक और अमेरिका के महत्वपूर्ण वृहद आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख ने कहा ?कि निफ्टी और सेंसेक्स दोनों के लिए क्रमशः 26,000 और 85,000 अंक के नए मील के पत्थर कुछ समय के लिए थे, क्योंकि पश्चिम एशिया की वजह से लगे झटकों और विदेशी कोषों द्वारा कुछ कम मूल्यांकन वाले एशियाई बाजारों की ओर रुख करने से बाजार प्रभावित हुआ। इससे बाजार में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच पांच दिन में निवेशकों की पूंजी 16.26 लाख करोड़ रुपये घट गई। बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। सप्ताह के दौरान आरबीआई का ब्याज दर पर निर्णय आना है। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी आएंगे। साथ ही अमेरिका में फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा, बेरोजगारी आंकड़े और अमेरिका के जीडीपी आंकड़े भी आने हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) ने कहा कि निवेशकों की निगाह भू-राजनीतिक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों पर इसके प्रभाव पर रहेगी। विदेशी कोषों के प्रवाह के अलावा घरेलू प्रवाह भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह एमपीसी की बैठक पर है। इस बैठक के नतीजों की घोषणा नौ अक्टूबर को होगी। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी और जन्माष्टमी के दौरान कंपनी ने बिक्री में अच्छी वृद्धि दर्ज की। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने अपने मासिक बिक्री विवरण में कहा कि सितंबर के अंत में पंजीकरण में तेजी आई है। यह आगामी त्योहारी सत्र की दृष्टि से अच्छा है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95

गुजरात सरकार
विकास सप्ताह
भारत के माननीय प्रधानमंत्री एवं गुजरात के तत्कालीन
मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 23 साल पहले
7 अक्टूबर 2001 के दिन पहली बार
मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।
23 वर्ष...
सफल एवं सक्षम नेतृत्व के
24X7 घंटे बिजली की संकल्पना हुई साकार
ऊर्जाशक्ति, जलशक्ति, ज्ञानशक्ति, जनशक्ति एवं रक्षाशक्ति के पंचामृत से हो रहा है गुजरात विकसित
गरबा, धोरडो और स्मृति वन अंतरराष्ट्रीय ख्याति से सुशोभित
विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा, और सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम से गौरवान्वित
गिफ्ट सिटी, डायमंड बोर्स और धोलेरा बन रहे हैं आधुनिक विकास के नए पर्याय
नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में बन रहे नित नए कीर्तिमान
देश के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित
प्रो-पीपल गवर्नेंस, पॉलिसी ड्रिवन स्टेट के तौर पर संस्थापित
"विकसित भारत" के लिए गुजरात समर्पित